

प्रेषक,

कवीन्द्र सिंह,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 31 दिसम्बर, 2010

विषय: उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा नियमावली, 2008 के नियम-5 के प्रस्तर क (क) के खण्ड (दो) तथा नियम-5 के प्रस्तर क (ख) के खण्ड (दो) के संशोधन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में अधिसूचना संख्या- 1257/XXIV-2/10/32(2)/2010 दिनांक 31 दिसम्बर 2010, जो उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा नियमावली, 2008 के नियम-5 के प्रस्तर क (क) के खण्ड (दो) तथा नियम-5 के प्रस्तर क (ख) के खण्ड (दो) के संशोधन के संबंध में है, की हिन्दी की प्रति इस आशय से प्रेषित है कि उक्त अधिसूचना की प्रतियां अधीनस्थ कार्यालयों को उपलब्ध कराने का कष्ट करें, तथा उक्त अधिसूचना के अंग्रेजी रूपान्तरण की प्रति तत्काल शासन के अनुमोदनार्थ उपलब्ध कराने का कष्ट करें।  
संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय,

( कवीन्द्र सिंह )  
अनु सचिव।

संख्या-<sup>1270</sup>~~1257~~ (1)/XXIV-2/10/32(2)/2010 तददिनांकित

अधिसूचना संख्या- 1257/XXIV-2/10-32(2)/2010 दिनांक दिसम्बर, 2010 की हिन्दी एवं अंग्रेजी की प्रतियां निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 2- प्रभारी मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 3- निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, रुडकी हरिद्वार को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अधिसूचना को असाधारण गजट विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-(ख) में मुद्रित कराकर इसकी 200 प्रतियां शिक्षा अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

( कवीन्द्र सिंह )  
अनु सचिव।

उत्तराखण्ड शासन  
शिक्षा अनुभाग-2  
संख्या- 1257/XXIV-2/10/32(2)/2010  
देहरादून: दिनांक 31 दिसम्बर, 2010

अधिसूचना  
प्रकीर्ण

राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) (संशोधन) सेवा नियमावली, 2010 में अग्रेत्तर संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) (संशोधन) सेवा नियमावली, 2010

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) (संशोधन) सेवा नियमावली, 2010 है।<br>(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।   |
| नियम 5 का संशोधन          | 2. उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा नियमावली, 2008 में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 5 के प्रस्तर (क) के खण्ड (दो) तथा नियम 5 के प्रस्तर (ख) के खण्ड (दो) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियम रख दिये जायेंगे; अर्थात:- |

स्तम्भ-1  
वर्तमान नियम

- (क) प्रवक्ता (सामान्य शाखा)
- (दो) 50 प्रतिशत अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (सामान्य शाखा) में मौलिक रूप से नियुक्त शिक्षकों, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो और जो नियम 8 के अधीन पद के लिए विहित अपेक्षित अर्हता रखते हों, में से, पदोन्नति द्वारा,

स्तम्भ-2  
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

- (क) प्रवक्ता (सामान्य शाखा)
- (दो) 50 प्रतिशत अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (सामान्य शाखा) में मौलिक रूप से नियुक्त शिक्षक अथवा संविलियन/पदोन्नति द्वारा अथवा उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली, 2006 के द्वारा बनाये गये प्राविधानों के अधीन 25 प्रतिशत पदों पर राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत कार्यरत प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं सहायक अध्यापक, राजकीय आदर्श विद्यालय से समायोजन द्वारा मौलिक रूप से कार्यरत स्नातक श्रेणी के शिक्षकों,

जिन्होंने:-

- (दो-1) भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो;
- (दो-2) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि धारक; और
- (दो-3) मूल सेवा स्रोत संवर्ग में भर्ती के समय लागू नियमावली के प्राविधानों के अधीन निर्धारित प्रशिक्षण अर्हता रखते हों, में से पदोन्नति द्वारा।

(ख) प्रवक्ता (महिला शाखा)

- (दो) 50 प्रतिशत अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (महिला शाखा) में मौलिक रूप से नियुक्त शिक्षिकाओं, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो और जो नियम 8 के अधीन पद के लिए विहित अपेक्षित अर्हता रखते हों, में से, पदोन्नति द्वारा,

(ख) प्रवक्ता (महिला शाखा)

- (दो) 50 प्रतिशत अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (महिला शाखा) में मौलिक रूप से नियुक्त शिक्षिकाओं अथवा सदिलियन/पदोन्नति द्वारा अथवा उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली, 2006 के द्वारा बनाये गये प्राविधानों के अधीन 25 प्रतिशत पदों पर राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत कार्यरत प्रधानाध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय, सहायक अध्यापिका, पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं सहायक अध्यापिका, राजकीय आदर्श विद्यालय से समायोजन द्वारा मौलिक रूप से कार्यरत स्नातक श्रेणी की शिक्षिकाओं, जिन्होंने:-

- (दो-1) भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो;
- (दो-2) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि धारक हो; और
- (दो-3) मूल सेवा स्रोत संवर्ग में भर्ती के समय लागू नियमावली के प्राविधानों के अधीन निर्धारित प्रशिक्षण अर्हता रखते हों, में से पदोन्नति द्वारा।

आज्ञा से,

( मनीषा पंवार )  
सचिव।